



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 06 जनवरी, 2024

रविर्स फ्लपिगि

भारतीय स्टार्टअप्स के बीच रविर्स फ्लपिगि एक चलन बन गया है, खासकर फिनटेक सेक्टर में, क्योंकि वे इनशियल पब्लिक ऑफर (Initial Public Offer-IPO) की योजना बनाते हैं या घरेलू बाज़ार में दीर्घकालिक लाभ की तलाश करते हैं।

- रविर्स फ्लपिगि किसी भारतीय कंपनी के मुख्यालय को आमतौर पर कर या न्यूनतम कारणों से वदेश में स्थानांतरित करने के बाद उसके अधिवास को वापस भारत में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है। इसे 'री-डोमसाइलिंग' भी कहा जाता है।
- यह रणनीतिक कदम भारत की समृद्ध अर्थव्यवस्था, विशाल बाज़ार, आशाजनक उद्यम पूंजी, अनुकूल कर संरचना, मज़बूत बौद्धिक संपदा संरक्षण, युवा और शक्ति आबादी और सहायक सरकारी नीतियों से प्रेरित है।

MeitY ने ERNET इंडिया का वेब पोर्टल लॉन्च किया

इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मंत्रालय ने हाल ही में शैक्षणिक संस्थानों के लिये भारत के नए एकीकृत वेब पोर्टल ERNET का अनावरण किया है, जो डोमेन पंजीकरण, डोमेन नेम सिस्टम (DNS) और मूल्य वर्द्धति सेवाएँ प्रदान करता है।

- पोर्टल में एक सेवा के रूप में वेबसाइट (WaaS) और एक सेवा के रूप में लर्निंग मैनेजमेंट (LMaaS) शामिल हैं, जो उपयोगकर्ताओं को विभिन्न टेम्पलेट्स का उपयोग करके अनुकूलित वेबसाइट तथा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम बनाने की अनुमति देता है।
- ERNET इंडिया MeitY के तहत एक गैर-लाभकारी वैज्ञानिक सोसायटी है। यह सभी शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिये विशिष्ट डोमेन रजिस्ट्रार है, जिसका डोमेन नाम 'ac.in', 'edu.in' और 'res.in' होता है।

और पढ़ें: [DNS सर्वर](#)

भारतीय नौसेना कर्मियों के लिये कतर न्यायालय का नरिणय

कतर ने आठ भारतीय नौसेना अधिकारियों की मृत्युदंड की सज़ा को कम कर उसे कारावास की सज़ा को "Varying Quantum" में बदल दिया है। कतर में जेल में बंद पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को जेल की अलग-अलग शर्तों के खिलाफ अपील करने के लिये 60 दिन का समय दिया गया है।

- मृत्युदंड की सज़ा का कृपादान करने का तात्पर्य मौत की सज़ा को कम कर इसे कम गंभीर सज़ा में परिणत करने से है।
 - आठ भारतीय, जिनकी मृत्युदंड की सज़ा कम कर दी गई है, अब भारत वापस आने के पात्र हैं। यह कतर के साथ वर्ष 2015 के द्विपक्षीय समझौते के अंतर्गत आता है, जो कैदियों को स्वदेश में अपनी सज़ा भुगतने की अनुमति देता है।
- कतर, एक मज़बूत क्षेत्रीय अग्रणी और भारत के लिये ऊर्जा का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है जहाँ कम से कम सात लाख भारतीय कार्यबल का हिससा है।

और पढ़ें: [कतर में पूर्व नौसेना कर्मिकि मामला](#)